मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD–014

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.-014 : प्रेमचंद का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) शेष में से किन्हीं ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) बिट्ठलदास—यह तुम्हारी भूल है। तुम यहाँ चाहे किसी की गुलाम न हो, पर अपनी इन्द्रियों की गुलाम तो हो ? इन्द्रियों की गुलामी उस पराधीनता से कहीं

दु:खदायिनी होती है। यहाँ तुम्हें न सुख मिलेगा, न आदर। हाँ, कुछ दिनों भोग-विलास कर लोगी, पर अंत में इससे भी हाथ धोना पड़ेगा। सोचो तो, थोड़े दिनों तक इन्द्रियों को सुख देने के लिए तुम अपनी आत्मा और समाज पर कितना बड़ा अन्याय कर रही हो ?

(ख) क्षण मात्र में ज्ञानशंकर के विचारों ने पलटा खाया। जब तक उन्हें शंका थी कि राय साहब दम तोड़ रहे हैं तब तक वह प्राण-रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। जब बाहर खड़े-खड़े निश्चय हो गया कि राय साहब के प्राणान्त हो गये तब वह अपनी जान की खैर मनाने लगे।

(ग) यह विचार उन लोगों के लिए है जिनके प्रेम वासनाओं से युक्त होते हैं। प्रेम और वासना में उतना ही अंतर होता है, जितना कंचन और काँच में। प्रेम की सीमा भक्ति से मिलती है और उनमें केवल मात्रा का भेद है। भक्ति के सम्मान और प्रेम में सेवाभाव का आधिक्य होता है। प्रेम के लिए धर्म की विभिन्नता कोई बंधन नहीं है।

(घ) मैं कुछ नहीं चाहती। मैं इस घर का एक तिनका भी अपने साथ न ले जाऊँगी। जिस चीज पर मेरा कोई अधिकार नहीं, वह मेरे लिए वैसी ही है जैसी किसी गैर आदमी की चीज। मैं दया की भिखारिणी न बनूँगी। तुम इन चीजों के अधिकारी हो, ले जाओ। मैं जरा भी बुरा नही मानती! दया की चीज न जबरदस्ती दी जा सकती है, न जबरदस्ती ली जा सकती है।

2. प्रेमचंद की साहित्य विषयक अवधारणा का तर्कसंगत मूल्यांकन कीजिए। 10

3. "प्रेमचंद अपने विचारों में अत्यन्त प्रगतिशील और मानवधर्मी थे।" इस कथन के आधार पर प्रेमचंद के वैचारिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'प्रेमाश्रम' में चित्रित कृषि-समस्या का विवेचन कीजिए। 10

5. 'रंगभूमि' के आधार पर मि. जॉनसेवक के चरित्र पर प्रकाश डालिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) 'रंगभूमि' में स्वाधीनता आंदोलन

(ख) प्रेमचंद की रचना का उद्देश्य और 'गबन'

(ग) 'प्रेमाश्रम' में सामाजिक-सांस्कृतिक चित्रण

(घ) प्रेमचंद की प्रासंगिकता

× × × × ×